Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to implement NRC in the country .

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): अध्यक्ष जी, धन्यवाद ।...(व्यवधान) कांग्रेसियों की आदत है हंसने की । मैं जिस राज्य से आता हूं, वहां घुसपैठ एक बड़ी समस्या है । जो सीएए, एनपीआर और एनआरसी का मुद्दा चल रहा है, वह कहीं महत्वपूर्ण है या नहीं, लेकिन वह मेरे यहां महत्वपूर्ण है । वर्ष 1905 में हमारे राज्य का बंटवारा हो गया । वर्ष 1905 के बंटवारे के बाद मुसलमानों का जो इलाका था ढाका, वहां वर्ष 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना होती है । जब-जब इस देश में नेशनलिज्म की फोर्सेज़ एक्टिव होती हैं, इतिहास से जानकारी लेने की आवश्यकता है, जब महात्मा गांधी का स्वदेशी मूवमेंट और असहयोग आंदोलन चल रहा था, उस वक्त इस्लाम खतरे में हैं, तब 1919 से लेकर 1924 तक इस देश के मुसलमानों ने खिलाफत आंदोलन चलाया था और उसमें कांग्रेस ने साथ दिया था । ...(व्यवधान) इसके कारण देश के बंटवारे की बुनियाद हुई थी । यदि तुर्की का राजा ऑटोमन खत्म हुआ था, तो भारत के मुसलमानों पर क्या असर पड़ रहा था, क्योंकि सन् 800 से लेकर 1857 तक इस देश में लगभग-लगभग मुसलमानों ने रूल किया था । इस्लाम खतरे में नहीं था । इसीलिए आज धारा 370 के बाद, राम जन्मभूमि के बाद, बोडो की समस्या का समाधान होने के बाद, ब्रू समस्या, रिफ्यूजी की समस्या का समाधान होने के बाद जो नेशनलिज्म की फोर्सेज़ आगे हुई हैं, उनको परास्त करने के लिए बांग्लादेश के मुसलमान को, पाकिस्तान के मुसलमान को और अफगानिस्तान के मुसलमान को वोट बैंक की राजनीति में नागरिक बनाने की यह साजिश है । जो मैं भोग रहा हूं, जो झारखंड भोग रहा है, जो किशनगंज, अररिया, मुरादाबाद, मुर्शिदाबाद और मालदा भोग रहा है । ...(व्यवधान) इसलिए मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह है कि पूरे देश में एनआरसी लागू करिए ।...(व्यवधान) कांग्रेस की यह नीति है, क्योंकि ये देश का बंटवारा चाहते हैं । ...(व्यवधान) देश को बंटवारे से बचाइए

और एनआरसी लागू करिए । ...(व्यवधान) इन्हीं शब्दों के साथ जय हिंद, जय भारत ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री एस.सी. उदासी,

श्री उदय प्रताप सिंह और

श्री देवजी एम. पटेल को डॉ. निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

...(व्यवधान)